>

Title: Need to formulate a policy to tackle the disasters caused by sudden floods in Supaul Parliamentary Constituency of Bihar.

श्री विश्व मोहन कुमार (सुपौल): महोदय, आपने मुझे जीरो ऑवर में अपने क्षेत्र की समस्या उठाने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मेरा लोकसभा क्षेत्र सुपौल है, उसकी समस्या के बारे में मैं अपनी बात कहना चाहता हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र नेपाल की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अवस्थित है और हिमालय की शृंखला जितनी भी है, वह नेपाल में अवस्थित हैं। नेपाल से जो भी नदियां निकलती हैं, वह मेरे संसदीय क्षेत्र के बीचोबीच से जाती हैं यानी वे मेरे संसदीय क्षेत्र को चीरती हुयी निकलती हैं। खासकर कोसी, बागमती, अघवारा समूह जो नदियां वहां से निकलती हैं, वे मेरे क्षेत्र के लिए अभिशाप बनी हुई हैं। वर्षा के समय में ये प्रलयंकारी बाढ़ लाती हैं, जिससे फसलों की और जनआबादी की बर्बादी होती है। वर्ष 2008 के बारे में सभी जानते हैं कि कितनी भयंकर बाढ़ वहां पर आयी थी। यह अंतर्राष्ट्रीय छवि पटल भी आया था। अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर होने के कारण, हम लोग अपने एमपीलैड फंड से जो भी योजनायें बनाना चाहते हैं, वह नहीं बना पाते हैं, क्योंकि इस तरह से दिशा-निर्देश दिया गया है कि आठ किलोमीटर के अंदर आप कोई संरचना नहीं कर सकते हैं। इससे कोई कार्य वहां नहीं हो पाता है। सरकारी कार्य जो भी होते हैं, उनमें नेपाल के द्वारा बाधा उत्पन्न की जाती है।

मेरा आपके माध्यम से माननीय सिंचाई मंत्री जी से अनुरोध है कि अंतर्राष्ट्रीय मामला होने के कारण नेपाल से बात करके स्थायी समाधान इसके बारे में सोचना चाहिए। यहां पर या तो कोई डैम बनाना चाहिए, जिससे यहां बिजली का भी उत्पादन हो सके और नेपाल की समस्या भी समाप्त हो।